दैनिक
# बिहार पत्रिका
सच के साथ

बुधवार, 29 जुलाई 2026 | पटना, बिहार से प्रकाशित | वर्ष-05 | अंक-157 | पृष्ठ-04 | मूल्य-₹2.00

## मनरेगा पीओ और लेखापाल 45 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार

*वेंडर का भुगतान कराने के नाम पर मांगी थी घूस, निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने कार्यालय में की कार्रवाई*

दैनिक बिहार पत्रिका | खगड़िया

खगड़िया जिले के अलौली प्रखंड में भ्रष्टाचार के खिलाफ निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मनरेगा कार्यक्रम पदाधिकारी (पीओ) और लेखापाल को ₹45 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। दोनों अधिकारियों पर एक वेंडर का भुगतान कराने के बदले घूस मांगने का आरोप है।

गिरफ्तार अधिकारियों की पहचान मनरेगा पीओ रमन जी भाई और लेखापाल शाहिद अकरम के रूप में हुई है। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की टीम ने मंगलवार को अलौली प्रखंड कार्यालय में छापेमारी कर दोनों को रिश्वत की राशि लेते हुए दबोच लिया।

जानकारी के अनुसार, एक वेंडर से भुगतान जारी कराने के एवज में ₹45 हजार की रिश्वत मांगी गई थी। इस संबंध में परिवादी विपिन कुमार ने पटना स्थित निगरानी अन्वेषण ब्यूरो में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के सत्यापन के बाद निगरानी विभाग ने योजनाबद्ध कार्रवाई करते हुए मंगलवार को अलौली प्रखंड कार्यालय में जाल बिछाया। जैसे ही दोनों अधिकारियों ने परिवादी से रिश्वत की राशि ली, टीम ने उन्हें रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

निगरानी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि दोनों आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। साथ ही मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

इस कार्रवाई के बाद प्रखंड कार्यालय में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने भ्रष्टाचार के खिलाफ निगरानी विभाग की इस कार्रवाई का स्वागत करते हुए दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

# छह राज्यों की 100 से अधिक डेयरी यूनिटों में *गंभीर खामियां* उजागर

### *सेंटिएंट वर्ल्ड की जांच में पशु कल्याण, जनस्वास्थ्य और पर्यावरण मानकों पर उठे सवाल*

दैनिक बिहार पत्रिका | नई दिल्ली

देश के छह राज्यों में संचालित 100 से अधिक डेयरी यूनिटों की जांच में पशु कल्याण, जनस्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी कई गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। गैर-सरकारी संगठन सेंटिएंट वर्ल्ड द्वारा जारी अपनी तरह की पहली बहुराज्यीय जांच रिपोर्ट में भीड़भाड़, पशुओं के साथ कथित अमानवीय व्यवहार, ऑक्सीटोसिन के उपयोग के संकेत तथा बिना उपचार किए डेयरी कचरे को सार्वजनिक नालियों में बहाने जैसी गंभीर बातें दर्ज की गई हैं। संगठन के अनुसार यह जांच 10 फरवरी से 15 अप्रैल 2026 के बीच चंडीगढ़, पंजाब, उत्तराखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ की 100 से अधिक डेयरी इकाइयों में की गई। इसमें घरेलू डेयरी, मध्यम आकारकी इकाइयों और बड़े अनियमित डेयरी क्लस्टरों का अध्ययन शामिल था। रिपोर्ट के मुताबिक कई डेयरी इकाइयां रिहायशी इलाकों और जलस्रोतों के बेहद करीब संचालित हो रही थीं। कई स्थानों पर डेयरी घरों और जलस्रोतों से मात्र 10 से 300 मीटर की दूरी पर पाई गईं, जिससे जनस्वास्थ्य और पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका जताई गई है। जांचकर्ताओं ने अधिकांश डेयरी इकाइयों में निर्धारित क्षमता से अधिक पशु रखे जाने की बात कही है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कई स्थानों पर पशुओं को लंबे समय तक एक ही जगह बांधकर रखा जाता था। कुछ मामलों में उन्हें दोहरी या तिहरी रस्सी तथा नाक या मुंह के जरिए नियंत्रित करने के तरीके भी सामने आए। जांच में शामिल डेयरी इकाइयों में 10 से 500 तक पशु पाए गए, जबकि प्रति यूनिट औसतन लगभग 50 पशु थे। रिपोर्ट में पशुओं में कुपोषण, बिना उपचार के घाव, सूजे हुए जोड़, त्वचा संक्रमण तथा तनाव से जुड़े व्यवहार जैसी समस्याओं का भी उल्लेख किया गया है। कई जगह बछड़ों को लंबे समय तक बांधकर रखने तथा उनके लिए पर्याप्त छाया और आश्रय की व्यवस्था नहीं होने की बात कही गई है। जांचकर्ताओं ने कुछ डेयरी इकाइयों में दूध उतरवाने के लिए 'खाल बच्चा' जैसी प्रथा और ऑक्सीटोसिन के इस्तेमाल के संकेत मिलने का भी दावा किया है। जांच में यह भी कहा गया है कि कई स्थानों पर दूध निकालने का कार्य अस्वच्छ परिस्थितियों में किया जा रहा था। रिपोर्ट के अनुसार कई डेयरी इकाइयों में दूध खुले बर्तनों में रखा जा रहा था तथा गोबर और तरल कचरे को बिना उपचार के खुली नालियों में बहाया जा रहा था। कुछ स्थानों पर मृत पशुओं के अनुचित निपटान की भी बात सामने आई, जिससे पर्यावरण और जनस्वास्थ्य पर खतरा बढ़ने की आशंका जताई गई है। रिपोर्ट में डेयरी संचालकों द्वारा पशु चिकित्सकीय सेवाओं, टीकाकरण, बीमा और सरकारी सहायता की कमी की शिकायतों का भीउल्लेख किया गया है। संगठन का कहना है कि विभिन्न राज्यों में नियमों के पालन में असमानता निगरानी और जवाबदेही की व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता को दर्शाती है। सेंटिएंट वर्ल्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अभिषेक पांडे ने कहा कि जांच से स्पष्ट होता है कि पशु कल्याण और स्वच्छता से जुड़ी समस्याएं किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं हैं, बल्कि कई राज्यों में यह एक व्यवस्थागत चुनौती के रूप में सामने आई हैं। उन्होंने पशु कल्याण, जनस्वास्थ्य और पर्यावरण संबंधी मौजूदा कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन, नियमित निरीक्षण और जवाबदेही सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। रिपोर्ट जारी करते हुए संगठन ने डेयरी इकाइयों का नियमित निरीक्षण, किसानों को बेहतर पशु चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा पशु कल्याण और स्वच्छता संबंधी नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने की मांग की है।

## डॉ. सोनी रंजन के प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष बनने पर कार्यकर्ताओं में खुशी

*जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष शमा प्रवीण ने दी बधाई, संगठन को और मजबूती मिलने की जताई उम्मीद*

दैनिक बिहार पत्रिका | खगड़िया

बिहार प्रदेश महिला कांग्रेस का अध्यक्ष श्रीमती डॉ. सोनी रंजन को बनाए जाने पर खगड़िया जिला महिला कांग्रेस में खुशी का माहौल है। इस अवसर पर जिला महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष शमा प्रवीण ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। शमा प्रवीण ने कहा कि डॉ. सोनी रंजन के नेतृत्व में बिहार प्रदेश महिला कांग्रेस को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में महिला कांग्रेस का संगठन राज्यभर में और अधिक सशक्त होगा तथा पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि डॉ. सोनी रंजन के अध्यक्ष बनने से न केवल महिला कांग्रेस बल्कि पूरे कांग्रेस संगठन को मजबूती मिलेगी। साथ ही वह लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी एवं कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व को मजबूत करते हुए संगठन के विस्तार और जनसंपर्क अभियान को गति देंगी। जिलाध्यक्ष शमा प्रवीण ने उम्मीद जताई कि नए नेतृत्व में महिला कांग्रेस महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने, संगठन को मजबूत करने तथा जनसरोकार के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने का कार्य करेगी। उन्होंने डॉ. सोनी रंजन को नई जिम्मेदारी मिलने पर पुनः शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल एवं सफल कार्यकाल की कामना की।

## मवेशी को बचाने के प्रयास में बाइक दुर्घटनाग्रस्त, *मां-बेटा* गंभीर घायल

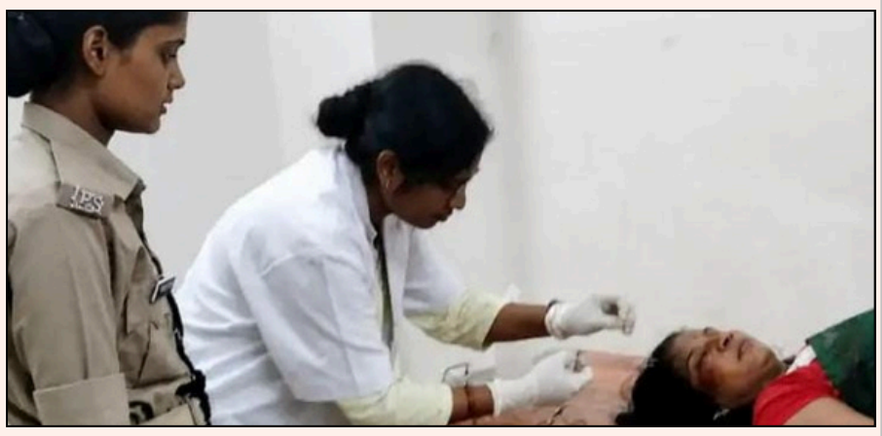

### *एसडीओ आवास के समीप हुआ हादसा, डायल 112 पुलिस ने घायलों को पहुंचाया अस्पताल*

दैनिक बिहार पत्रिका | खगड़िया

जिले के गोगरी अनुमंडल मुख्यालय स्थित एसडीओ आवास के समीप मंगलवार सुबह एक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार मां-बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर पहुंची डायल 112 पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए दोनों घायलों को तत्काल गोगरी अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार किया गया। घायलों की पहचान मुंगेर निवासी अनीता देवी तथा उनके पुत्र अंकुश राज के रूप में हुई है। बताया जाता है कि अंकुश राज अपनी मां को बाइक पर बैठाकर कहीं जा रहे थे। इसी दौरान एसडीओ आवास के समीप अचानक एक मवेशी सड़क पर आ गया। मवेशी को बचाने के प्रयास में बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। टीम में एएसआई मनोज साह, महिला सिपाही वंदना यादव सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। पुलिसकर्मियों ने तत्काल एंबुलेंस की व्यवस्था कर दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया तथा मोबाइल फोन के माध्यम से उनके परिजनों को भी घटना की जानकारी दी। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, अनीता देवी के सिर में गंभीर चोट आई है, जबकि उनके पुत्र अंकुश राज को भी शरीर के विभिन्न हिस्सों में चोटें लगी हैं। चिकित्सकों की देखरेख में दोनों का इलाज किया गया। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। वहीं स्थानीय लोगों ने सड़क पर अचानक मवेशियों के आ जाने की समस्या पर चिंता जताते हुए प्रशासन से इस दिशा में प्रभावी कदम उठाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

### *कांवरियों की सुरक्षा को लेकर बड़ा फैसला*

## शनिवार रात से मंगलवार सुबह तक भारी वाहनों की नो-एंट्री

कुमार चन्दन। दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला-2026 के दौरान कांवरिया श्रद्धालुओं की सुरक्षित और सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन ने यातायात व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव किया है। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए बांका जिले में प्रत्येक शनिवार रात्रि से मंगलवार प्रातः तक भारी मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा। श्रावणी मेला का आयोजन 30 जुलाई से 28 अगस्त 2026 तक किया जाएगा। इस दौरान देश-विदेश से लाखों कांवरिया श्रद्धालु भागलपुर के विभिन्न गंगा घाटों से पवित्र गंगाजल लेकर बांका जिले के रजौन, बाराहाट और बौंसी प्रखंडों के रास्ते बाबा बासुकीनाथ धाम, दुमका में जलाभिषेक के लिए पहुंचते हैं। विशेष रूप से प्रत्येक शनिवार की मध्यरात्रि से कांवरियों का बड़ा जत्था भागलपुर से जल लेकर पैदल यात्रा शुरू करता है। श्रद्धालु सोमवार को बाबा बासुकीनाथ धाम में जलार्पण के उद्देश्य से लगभग 115 किलोमीटर की कठिन पदयात्रा करते हैं। इस यात्रा के दौरान कांवरिया बांका जिले के रजौन प्रखंड स्थित शराब फैक्ट्री के समीप प्रवेश करते हुए बौंसी प्रखंड के भलजोर बॉर्डर तक करीब 40 से 50 किलोमीटर का सफर तय करते हैं। प्रशासन के अनुसार, भागलपुर-दुमका मुख्य मार्ग कांवरियों के आवागमन का प्रमुख रास्ता है, जिस पर सामान्य दिनों में भारी मालवाहक वाहनों का भी परिचालन होता है। मेला अवधि में श्रद्धालुओं की सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और निर्बाध आवागमन को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। जिला पदाधिकारी के निर्देश पर अनुमंडल पदाधिकारी, बांका द्वारा आदेश जारी करते हुए जिले के रजौन प्रवेश बिंदु से लेकर बौंसी प्रखंड के अंतिम छोर भलजोर बॉर्डर तक भारी मालवाहक वाहनों के परिचालन पर अस्थायी रोक लगाई गई है। आदेश के अनुसार प्रत्येक शनिवार रात्रि 10:00 बजे से मंगलवार प्रातः 8:00 बजे तक भारी मालवाहक वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। प्रशासन ने वाहन चालकों एवं परिवहन संचालकों से अपील की है कि वे निर्धारित समय अवधि में वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें और मेला व्यवस्था में सहयोग प्रदान करें। जिला प्रशासन ने कहा है कि श्रावणी मेला के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को आदेश का सख्ती से पालन कराने का निर्देश दिया गया है।

## गोगरी में मकान निर्माण के दौरान रंगदारी मांगने का आरोप, 18 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज

*महिला ने पांच लाख रुपये की मांग, मारपीट और निर्माण सामग्री ले जाने का लगाया आरोप; पुलिस ने शुरू की जांच*

दैनिक बिहार पत्रिका | गोगरी

खगड़िया जिले के गोगरी थाना क्षेत्र में मकान निर्माण के दौरान कथित रूप से रंगदारी मांगने, विरोध करने पर मारपीट करने और निर्माण सामग्री ले जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित महिला की शिकायत पर पुलिस ने 18 नामजद आरोपितों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, गोगरी थाना क्षेत्र के शाहनगर वार्ड संख्या-29 निवासी मो. मोख्तार की पत्नी जूही खातून अपने घर का निर्माण कार्य करा रही थीं। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि इसी दौरान कुछ लोग निर्माण स्थल पर पहुंचे और काम रुकवा दिया। पीड़िता का आरोप है कि आरोपितों ने उनसे ₹5 लाख रंगदारी की मांग की। रुपये देने से इनकार करने पर उनके साथ कथित तौर पर मारपीट की गई और उन्हें जमीन पर पटककर घायल कर दिया गया। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि निर्माण कार्य में इस्तेमाल हो रही छड़, सीमेंट एवं अन्य सामग्री भी आरोपित अपने साथ ले गए। घटना के बाद जूही खातून ने गोगरी थाना में लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने उनके आवेदन के आधार पर मो. नौषाद, मो. समशाद, मो. संजार, खुर्शीदा खातून, मो. आलम, इकरामुल, नियामुल, इजमामुल, हसीना खातून, रबिना खातून, इसराईल, मो. तजमुल, शहजादी खातून, मुस्कान खातून, नासरीन खातून, मो. शुभान, रिजवान एवं मो. जुबेर को नामजद अभियुक्त बनाया है। शिकायत में महिला ने यह भी आरोप लगाया है कि घटना के समय सभी आरोपित शराब के नशे में थे। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि फिलहाल नहीं हुई है और पुलिस इसकी भी जांच कर रही है। गोगरी थानाध्यक्ष अरबिंद कुमार ने बताया कि पीड़िता के लिखित आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। उन्होंने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है तथा शिकायत में लगाए गए आरोपों की सत्यता की जांच के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद शाहनगर एवं आसपास के इलाके में यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जांच में रंगदारी, मारपीट और निर्माण सामग्री ले जाने के आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह कानून-व्यवस्था से जुड़ा गंभीर मामला होगा। फिलहाल पुलिस घटनास्थल, प्रत्यक्षदर्शियों और साक्ष्यों के आधार पर पूरे मामले की जांच में जुटी है।

# 498.96 लीटर विदेशी शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

ब्रजेश राठौर | दैनिक बिहार पत्रिका

**बांका** । पंजवारा थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर सोमवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए शराब की बड़ी खेप बरामद की। पंजवारा थाना अध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि सोमवार शाम को गुप्त सूचना के आधार पर गोड्डा के तरफ से आ रहे एक गाड़ी XUV-500 रजिस्ट्रेशन संख्या JH16C1967 को जांच के लिए रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक बैरिकेडिंग में टक्कर मारते हुए वाहन लेकर फरार हो गया। इसके बाद पुलिस ने

पीछा करते हुए पंजवारा–धोरैया मुख्य मार्ग पर ग्राम रामकोल स्थित बजरंगबली मंदिर के सामने वाहन को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान वाहन से कुल 498.96 लीटर विदेशी शराब बरामद की गई। बरामद शराब में ऑफिसर चॉइस कंपनी की 180 एमएल की 34 कार्टन 2,272 पीस कुल 408.96 लीटर, किंगफिशर की 500 एमएल की 36 बोतल कुल 18 लीटर, आर एस की 750 एमएल की 5 कार्टन 60 बोतल कुल 45 लीटर तथा रॉयल चैलेंजर्स व्हिस्की की 750 एमएल की 3 कार्टन 36 बोतल कुल 27 लीटर शामिल हैं। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने राहुल यादव उम्र लगभग 23 वर्ष, पिता अश्ली यादव, निवासी वैरिशल, थाना कटोरिया, जिला बांका को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने वाहन को जब्त कर आरोपी के विरुद्ध बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज करते हुए आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

# बी.डी. एकेडमी में डीआरसीसी ने किया जागरूकता शिविर

कुमार चन्दना दैनिक बिहार पत्रिका

बांका/अमरपुर। उच्च शिक्षा और कौशल विकास से जुड़ी सरकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक विद्यार्थियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन की पहल लगातार जारी है। जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल के निर्देश पर जिले के सभी सार्वजनिक प्लस-टू विद्यालयों में जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र (डीआरसीसी) द्वारा जागरूकता एवं काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी अभियान के तहत मंगलवार, 28 जुलाई 2026 को अमरपुर स्थित बी.डी. एकेडमी में विशेष काउंसलिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डीआरसीसी के प्रबंधक, सहायक प्रबंधक एवं अन्य अधिकारियों ने विद्यार्थियों को बिहार सरकार की छात्र हितैषी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक सौरव गुंजन भी उपस्थित रहे। कार्यशाला में लगभग 73 विद्यार्थियों ने भाग लेकर योजनाओं से संबंधित जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को बताया गया कि बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत उच्च शिक्षा के लिए ₹4 लाख तक का शिक्षा ऋण उपलब्ध कराया जाता है। इस योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को ऋण पर ब्याज का भुगतान नहीं करना पड़ता। आवश्यक दस्तावेजों के सत्यापन और औपचारिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद स्वीकृत राशि संबंधित शिक्षण संस्थान में भेजी जाती है, जबकि रहने एवं अन्य आवश्यक खर्च की राशि सीधे छात्र के बैंक खाते में हस्तांतरित की जाती है। इसके अलावा मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि इंटर या स्नातक उत्तीर्ण ऐसे युवा, जिनकी आयु 20 से 25 वर्ष के बीच है और जो आगे की पढ़ाई नहीं कर रहे हैं, उन्हें 24 माह तक प्रतिमाह ₹1,000 की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों से अपील की गई कि वे इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक दस्तावेजों के साथ जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र (डीआरसीसी) पहुंचकर सत्यापन प्रक्रिया समय पर पूरी करें। अधिकारियों ने कहा कि सरकार की इन योजनाओं का उद्देश्य आर्थिक बाधाओं को दूर कर युवाओं को उच्च शिक्षा, कौशल विकास और आत्मनिर्भरता की ओर प्रेरित करना है।

## खबर एक नजर

### श्रावणी मेला में श्रद्धालुओं से अधिक कीमत वसूलने पर होगी कार्रवाई

**दैनिक बिहार पत्रिका, बांका।** विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला-2026 के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर बांका जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। 30 जुलाई से 28 अगस्त 2026 तक चलने वाले इस मेले में लाखों कांवरिया श्रद्धालु सुलतानगंज से पवित्र गंगाजल लेकर बाबा बैद्यनाथ धाम के लिए प्रस्थान करेंगे। कांवरिया पथ का लगभग 55 किलोमीटर हिस्सा बांका जिले से होकर गुजरता है, जिसे देखते हुए प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए विशेष व्यवस्था लागू की है। जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल के निर्देश पर अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा खाद्य सामग्री एवं पेय पदार्थों की सरकारी दर सूची निर्धारित कर दी गई है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि मेला क्षेत्र में कोई भी दुकानदार श्रद्धालुओं से निर्धारित मूल्य से अधिक राशि न वसूले और सभी को उचित दर पर गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध हो। मेला अवधि के दौरान खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए असैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी द्वारा खाद्य सुरक्षा अधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है। साथ ही, कांवरिया पथ पर संचालित छोटे-बड़े होटलों, भोजनालयों और मिठाई दुकानों की नियमित जांच के लिए विशेष निरीक्षण दल का गठन किया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि श्रावणी मेला के दौरान बड़ी संख्या में अस्थायी एवं स्थायी दुकानें संचालित होती हैं। ऐसे में मिलावटी खाद्य पदार्थों या निम्न गुणवत्ता की मिठाइयों की बिक्री से श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए जांच अभियान को और प्रभावी बनाया गया है। सभी प्रतिनियुक्त अधिकारियों को प्रतिदिन कम से कम 30 दुकानों का निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया है। निरीक्षण के दौरान यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित मूल्य सूची प्रत्येक होटल एवं भोजनालय में प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित हो, ताकि श्रद्धालु आसानी से उसे देख सकें। इसके अलावा प्रशासन ने व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में घरेलू या छोटे गैस सिलेंडरों के उपयोग पर भी सख्त रुख अपनाया है। जांच के दौरान यदि किसी होटल या भोजनालय में घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग पाया गया, तो संबंधित संचालक के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जिला प्रशासन ने कहा है कि श्रावणी मेला के दौरान श्रद्धालुओं को सुरक्षित, स्वच्छ और पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

---

### श्रावणी मेला-2026: ड्यूटी से गैरहाजिर अधिकारियों पर होगी कड़ी कार्रवाई

**दैनिक बिहार पत्रिका, बांका।** विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला-2026 के सफल, सुरक्षित और व्यवस्थित संचालन को लेकर बांका जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। 30 जुलाई से 28 अगस्त 2026 तक आयोजित होने वाले इस धार्मिक आयोजन के दौरान लाखों कांवरिया श्रद्धालु सुलतानगंज से पवित्र गंगाजल लेकर बाबा बैद्यनाथ धाम, देवघर के लिए पदयात्रा करेंगे। इस यात्रा का लगभग 55 किलोमीटर लंबा कांवरिया पथ बांका जिले की सीमा से होकर गुजरता है, जिसके मद्देनजर प्रशासन ने सुरक्षा और विधि-व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए हैं। इस वर्ष श्रावण मास में चार सोमवारी पड़ने के कारण श्रद्धालुओं की संख्या सामान्य दिनों की तुलना में अधिक रहने की संभावना है। प्रमुख शिवालयों और कांवरिया पथ पर भीड़ प्रबंधन, यातायात नियंत्रण तथा आपातकालीन व्यवस्था को लेकर जिला प्रशासन ने विशेष कार्ययोजना तैयार की है। श्रावणी मेला अवधि के लिए बड़ी संख्या में वरीय दंडाधिकारी, दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। इनका मुख्य दायित्व श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना, निर्बाध आवागमन बनाए रखना तथा किसी भी अप्रिय स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटना होगा। जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने सभी प्रतिनियुक्त अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने ड्यूटी स्थल पर निर्धारित समय से उपस्थित रहें और पूरी जिम्मेदारी एवं सतर्कता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि श्रावणी मेला केवल बिहार ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान रखने वाला धार्मिक आयोजन है, जहां देश-विदेश से श्रद्धालु एवं प्रतिनिधिमंडल पहुंचते हैं। ऐसे में प्रशासनिक व्यवस्था की गुणवत्ता जिले की छवि से भी जुड़ी हुई है। डीएम ने अधिकारियों को श्रद्धालुओं के साथ शालीन एवं सहयोगात्मक व्यवहार करने, स्वच्छता व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने तथा किसी भी समस्या का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सम्मानजनक और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जिला प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि कोई प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी या पुलिस पदाधिकारी बिना स्वीकृत कारण के ड्यूटी से अनुपस्थित पाया गया, तो उसके विरुद्ध विभागीय नियमों के तहत कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन ने सभी अधिकारियों से अपेक्षा की है कि वे पूरी निष्ठा, संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य करें, ताकि श्रावणी मेला-2026 का आयोजन शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सफल ढंग से संपन्न हो सके।

# अवैध बालू कारोबार पर प्रशासन का शिकंजा, एक सप्ताह में 10 वाहन जब्त, ₹9.5 लाख का जुर्माना

दैनिक बिहार पत्रिका | बांका

जिले में अवैध बालू खनन और परिवहन के खिलाफ जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए व्यापक कार्रवाई की है। समाहर्ता एवं पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर खनन विभाग की टीम ने संबंधित थाना पुलिस के सहयोग से पिछले एक सप्ताह के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में योजनाबद्ध छापेमारी अभियान चलाया। अभियान के दौरान अवैध बालू परिवहन में संलिप्त 10 वाहनों को जब्त कर संबंधित आरोपितों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई। खनन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्रवाई के दौरान रजौन थाना क्षेत्र से 1, अमरपुर से 5, जयपुर से 1, बेलहार से 2 तथा धोरैया थाना क्षेत्र से 1 वाहन जब्त किया गया। इन सभी मामलों में अवैध बालू उत्खनन एवं परिवहन से जुड़े आरोपों के आधार पर कार्रवाई करते हुए करीब ₹9.5 लाख का आर्थिक दंड भी अधिरोपित किया गया है। जिला प्रशासन का कहना है कि प्राकृतिक संसाधनों की अवैध लूट किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। समाहर्ता ने खनन विभाग एवं संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि अवैध बालू खनन और परिवहन में शामिल लोगों के विरुद्ध नियमित रूप से अभियान चलाया जाए तथा कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि बालू माफियाओं के विरुद्ध आगे भी लगातार निगरानी रखी जाएगी। अवैध खनन की सूचना मिलने पर त्वरित छापेमारी कर दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी, ताकि जिले में अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके।

# मगध विश्वविद्यालय छात्र संघ अध्यक्ष ने सागर दिवान को दी श्रद्धांजलि

दैनिक बिहार पत्रिका | गया

गया जी। टेकारी के उप सभापति के अंतिम यात्रा में मगध विश्वविद्यालय छात्र संघ के अध्यक्ष उतम कुशवाहा टेकारी जाकर उप सभापति सागर दीवान के अंतिम संस्कार में शामिल होकर उन्हें भाव भरी श्रद्धांजलि अर्पित किए। अपने शोक व्यक्त करते हुए मगध विश्वविद्यालय अध्यक्ष उतम कुशवाहा ने कहा कि आपकी कमी हमेशा खलेगी और इस दुख भरी घडी पर आपके परिवार वालों को भगवान हिम्मत दे।

## सशक्त बेटियों की ओर एक और कदम

# तीन छात्राओं का 'कुशल युवा कार्यक्रम' में नामांकन, रोजगार कौशल से जुड़ेंगी छात्राएं

दैनिक बिहार पत्रिका | बांका

महिलाओं और बालिकाओं को शिक्षा, कौशल विकास तथा आत्मनिर्भरता से जोड़ने की दिशा में महिला एवं बाल विकास निगम एवं जिला हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वीमेन, बांका ने एक सराहनीय पहल की है। संयुक्त अभियान के तहत मंगलवार, 28 जुलाई 2026 को धोरैया प्रखंड के कुर्मा पंचायत स्थित फत्तुचक गांव की तीन छात्राओं का बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी कुशल युवा कार्यक्रम (KYP) में सफलतापूर्वक पंजीयन कराया गया। इस पहल के तहत जीनत परवीन, मुस्कान खातून और नूरी खातून को जिला हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वीमेन की टीम ने प्रशिक्षण केंद्र तक पहुंचाकर नामांकन की पूरी प्रक्रिया संपन्न कराई। अब तीनों छात्राएं कार्यक्रम के माध्यम से कंप्यूटर शिक्षा, संचार कौशल (कम्युनिकेशन स्किल्स) और व्यवहारिक दक्षता (सॉफ्ट स्किल्स) का निःशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त करेंगी, जिससे उनके लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर खुलेंगे। कार्यक्रम के दौरान केवल पंजीयन तक ही पहल सीमित नहीं रही, बल्कि स्थानीय महिलाओं एवं किशोरियों के लिए जागरूकता सत्र भी आयोजित किया गया। इसमें बाल विवाह के दुष्परिणाम, इससे संबंधित कानूनी प्रावधान, कन्या भ्रूण हत्या की रोकथाम तथा समाज में बेटियों के समान अधिकारों पर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित लोगों को महिलाओं और बालिकाओं के उत्थान के लिए केंद्र एवं बिहार सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। अधिकारियों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की बेटियों को कौशल आधारित प्रशिक्षण से जोड़ना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। ऐसे प्रयासों से युवतियों को न केवल आधुनिक तकनीकी ज्ञान मिलेगा, बल्कि वे भविष्य में आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में भी मजबूत कदम बढ़ा सकेंगी। महिला एवं बाल विकास निगम तथा जिला हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वीमेन की इस पहल को छात्राओं के अभिभावकों और स्थानीय लोगों ने सराहा। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी इसी प्रकार अधिक से अधिक जरूरतमंद बेटियों को सरकारी योजनाओं से जोड़कर उनके उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त किया जाएगा।

# राष्ट्रीय मैराथन 2026 के लिए चयनित बिहार के 6 धावकों में से 3 मगध विश्वविद्यालय के

**दैनिक बिहार पत्रिका,गया** । बिहार सरकार के स्वास्थ्य विभाग एवं बिहार स्टेट एड्स कंट्रोल सोसायटी (BSACS) द्वारा संचालित 'रेड रिबन क्लब' के तत्वावधान में पटना के पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में राज्य स्तरीय 'स्टेट रेड रन' मैराथन प्रतियोगिता का भव्य आयोजन संपन्न हुआ है। इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बिहार के सभी 38 जिलों के नोडल अधिकारियों और टीमों ने अपनी-अपनी भागीदारी दर्ज कराई है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव कुमार रवि एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में रेड रिबन परियोजना के निदेशक सुमित कुमार उपस्थित रहे हैं। पूरे प्रदेश के 38 जिलों के सफल संयोजन और उत्कृष्ट नेतृत्व के आधार पर कुल 5 उत्कृष्ट नोडल अधिकारियों का चयन किया गया है। इन 5 नोडल अधिकारियों में मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के कंप्यूटर साइंस विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर एवं गया जिला के नोडल अधिकारी डॉ. धर्मेंद्र कुमार भी शामिल हैं। गया जिला टीम के धावकों ने बालक व बालिका दोनों श्रेणियों में शानदार प्रदर्शन करते हुए सफलता का परचम लहराया है। गया कॉलेज के श्रवण कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त कर ₹10,000 की नकद राशि, ट्रॉफी व प्रशस्ति पत्र अपने नाम किया। भागलपुर के ऋतु राज ने द्वितीय स्थान हासिल कर ₹7,500 का नकद पुरस्कार जीता। गया जिला के कुणाल आर्य ने तीसरा स्थान हासिल करते हुए ₹5,000 का नकद पुरस्कार व मेडल प्राप्त किया। बालिका वर्ग में गया की कमली कुमारी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया और ₹10,000 की पुरस्कार राशि तथा स्वर्ण पदक जीता है। राज्य स्तरीय मैराथन के आधार पर आगामी राष्ट्रीय मैराथन 2026 के लिए बिहार से कुल 6 उत्कृष्ट धावकों का चयन किया गया है। इनमें से 3 धावक (श्रवण कुमार, कमली कुमारी और कुणाल आर्य) गया जिले एवं मगध विश्वविद्यालय से संबंधित हैं, जो राष्ट्रीय स्तर पर बिहार का प्रतिनिधित्व करेंगे। स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव कुमार रवि एवं रेड रन के परियोजना निदेशक सुमित कुमार ने सभी विजेताओं और सम्मानित नोडल अधिकारियों को बधाई दी। मगध विश्वविद्यालय प्रशासन, खेल प्रेमियों तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने इस दोहरी सफलता पर नोडल अधिकारी डॉ. धर्मेंद्र कुमार, टीम कोच एवं सभी विजेता खिलाड़ियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

# यूएसए नेशनल रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप की प्राइमरी डांस सोलो स्पर्धा में द्वितीय स्थान, जिला ओलंपिक संघ ने दी बधाई

दैनिक बिहार पत्रिका | गया

गया की बेटी आयरा कश्यप ने अमेरिका में आयोजित यूएसए नेशनल रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्राइमरी डांस सोलो स्पर्धा में द्वितीय स्थान हासिल किया है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार के साथ-साथ गया जिले का भी गौरव बढ़ा है। आयरा कश्यप, गया के 242 ए.पी. कॉलोनी निवासी अशोक कुमार सिंह एवं आभा सिंह की नातिन हैं। वह वर्तमान में अपने परिवार के साथ सैक्रामेंटो (कैलिफ़ोर्निया, अमेरिका) में रहती हैं। इन दिनों लिंकन, नेब्रास्का में आयोजित यूएसए रोलर स्पोर्ट्स नेशनल चैंपियनशिप में उन्होंने यह उल्लेखनीय सफलता हासिल की।

आयरा की इस उपलब्धि को उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण का परिणाम माना जा रहा है। कम उम्र में राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में रजत पदक जीतकर उन्होंने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। इस उपलब्धि पर गया जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष हरिप्रपन्न ने आयरा कश्यप को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि आयरा की सफलता जिले के अन्य खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है और उम्मीद जताई कि वह भविष्य में भी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश, राज्य और गया का नाम रोशन करेंगी।

# विशाल प्राइवेट आईटीआई बोधगया में सत्र 2026-28 के लिए नामांकन में छात्राओं और दिव्यांगों को विशेष छूट

दैनिक बिहार पत्रिका | गया

बोधगया । गया डोभी रोड स्थित प्रतिष्ठित संस्थान 'विशाल प्राइवेट आईटीआई' में इलेक्ट्रिशियन ट्रेड के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-2028 के लिए नामांकन प्रक्रिया में छात्राओं और दिव्यांगों को विशेष छूट दिया गया है ! गया के युवा समाजसेवी और संस्थान के ट्रस्टी सदस्य आकाश प्रियदर्शी उर्फ एपी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष कॉलेज प्रशासन ने सामाजिक सरोकार के तहत विशेष पहल की है ! उन्होंने घोषणा की कि सभी महिला अभ्यर्थियों को शिक्षण शुल्क में 5,000 रुपये की सीधी छूट दी जाएगी, वहीं दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए शुल्क में 10,000 रुपये की विशेष रियायत का प्रावधान किया गया है ! आकाश प्रियदर्शी ने कहा कि यह संस्थान गया के प्रसिद्ध व्यवसायी स्वर्गीय बादल सिन्हा के सेवा और शिक्षा के आदर्शों से प्रेरित होकर वर्ष 2015 से निरंतर संचालित हो रहा है ! उन्होंने क्षेत्र के युवाओं से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील करते हुए कहा कि संस्थान का मुख्य उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा प्रदान कर युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना है प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी कॉलेज कार्यालय में संपर्क कर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं ।

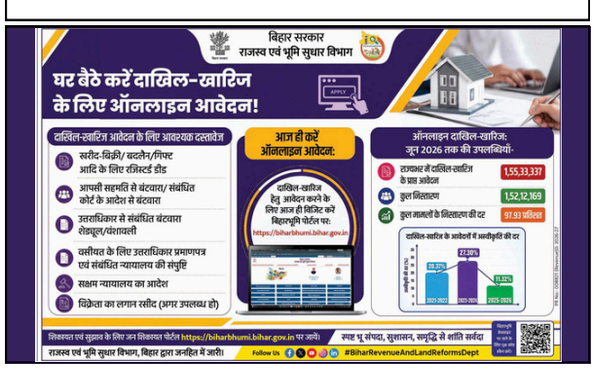

# गोपनीय स्वरूप है भगवती छिन्नमस्ता का

**ऐसा विधान है कि आधी रात अर्थात् चतुर्थ संध्याकाल में छिन्नमस्ता की उपासना से साधक को सरस्वती सिद्ध हो जाती हैं। शत्रु विजय, समूह स्तम्भन, राज्य प्राप्ति और दुर्लभ मोक्ष प्राप्ति के लिए छिन्नमस्ता की उपासना अमोघ है। छिन्नमस्ता का आध्यात्मिक स्वरूप अत्यन्त महत्वपूर्ण है।**

भगवती छिन्नमस्ता का स्वरूप अत्यंत ही गोपनीय है। इसे कोई अधिकारी साधक ही जान सकता है। महाविद्याओं में इनका तीसरा स्थान है। इनके प्रादुर्भाव की कथा इस प्रकार है– एक बार भगवती भवानी अपनी सहचरी जया और विजया के साथ मन्दाकिनी में स्नान करने के लिए गयीं। स्नान के बाद क्षुधाग्नि से पीड़ित होकर वे कृष्णवर्ण की हो गयीं। उस समय उनकी सहचरियों ने भी उनसे कुछ भोजन करने के लिए मांगा। देवी ने उनसे कुछ समय प्रतीक्षा करने के लिए कहा। थोड़ी देर प्रतीक्षा करने के बाद सहचरियों ने जब पुनः भोजन के लिए निवेदन किया, तब देवी ने उनसे कुछ देर और प्रतीक्षा करने के लिए कहा। इस पर सहचरियों ने देवी से विनम्र स्वर में कहा कि मां तो अपने शिशुओं को भूख लगने पर अविलम्ब भोजन प्रदान करती है। आप हमारी उपेक्षा क्यों कर रही हैं? अपने सहचरियों के मधुर वचन सुनकर कृपामयी देवी ने अपने खड्ग से अपना सिर काट दिया। कटा हुआ सिर देवी के बायें हाथ में आ गिरा और उनके कबन्ध से रक्त की तीन धाराएं प्रवाहित हुईं। वे दो धाराओं को अपनी दोनों सहचरियों की ओर प्रवाहित कर दीं, जिसे पीती हुई दोनों प्रसन्न होने लगीं और तीसरी धारा को देवी स्वयं पान करने लगीं। तभी से देवी छिन्नमस्ता के नाम से प्रसिद्ध हुईं।

ऐसा विधान है कि आधी रात अर्थात् चतुर्थ संध्याकाल में छिन्नमस्ता की उपासना से साधक को सरस्वती सिद्ध हो जाती हैं। शत्रु विजय, समूह स्तम्भन, राज्य प्राप्ति और दुर्लभ मोक्ष प्राप्ति के लिए छिन्नमस्ता की उपासना अमोघ है। छिन्नमस्ता का आध्यात्मिक स्वरूप अत्यन्त महत्वपूर्ण है। छिन्न यज्ञशीर्ष की प्रतीक ये देवी श्वेतकमल पीठ पर खड़ी हैं। दिशाएं ही इनके वस्त्र हैं। इनकी नाभि में योनिचक्र है। कृष्ण (तम) और रक्त (रज) गुणों की देवियां इनकी सहचरियां हैं। ये अपना शीश काटकर भी जीवित हैं। यह अपने आप में पूर्ण अन्तर्मुखी साधना का संकेत है। विद्वानों ने इस कथा में सिद्धि की चरम सीमा का निर्देश माना है। योगशास्त्र में तीन ग्रंथियां बतायी गयी हैं, जिनके भेदन के बाद योगी को पूर्ण सिद्धि प्राप्त होती है। इन्हें ब्रम्हाग्रन्थि, विष्णुग्रन्थि तथा रुद्रग्रन्थि कहा गया है। मूलाधार में ब्रम्हग्रन्थि, मणिपूर में विष्णुग्रन्थि तथा आज्ञाचक्र में रुद्रग्रन्थि का स्थान है। इन ग्रंथियों के भेदन से ही अद्वैतानन्द की प्राप्ति होती है। योगियों का ऐसा अनुभव है कि मणिपूर चक्र के नीचे की नाड़ियों में ही काम और रति का मूल है, उसी पर छिन्ना महाशक्ति आरुढ़ हैं, इसका ऊर्ध्व प्रवाह होने पर रुद्रग्रन्थि का भेदन होता है।

छिन्नमस्ता का वज्र वैरोचनी नाम शाक्तों, बौद्धों तथा जैनों में समान रूप से प्रचलित है। देवी की दोनों सहचरियां रजोगुण तथा तमोगुण की प्रतीक हैं, कमल विश्वप्रपंच है और कामरति विदानन्द की स्थूलवृत्ति है। बृहदारण्यक की अश्वशिर विद्या, शाक्तों की हयग्रीव विद्या तथा गाणपत्यों के छिन्नशीर्ष गणपति का रहस्य भी छिन्नमस्ता से ही संबंधित है। हिरण्यकशिपु, वैरोचन आदि छिन्नमस्ता के ही उपासक थे। इसीलिये इन्हें वज्र वैरोचनीया कहा गया है। वैरोचन अग्नि को कहते हैं। अग्नि के स्थान मणिपूर में छिन्नमस्ता का ध्यान किया जाता है और वज्रानाड़ी में इनका प्रवाह होने से इन्हें वज्र वैरोचनीया कहते हैं। श्रीभैरवतन्त्र में कहा गया है कि इनकी आराधना से साधक जीवभाव से मुक्त होकर शिवभाव को प्राप्त कर लेता है।

# सोमवार को ही शिव का वार क्यों कहा जाता है

**पुराणशिरोमणि शिवमहापुराण के अनुसार- आरोग्यंसंपद चैव व्याधीनांशांतिरेव च। पुष्टिरायुस्तथाभोगोमृतेर्हानिर्यथाक्रमम॥**

अर्थात स्वास्थ्य, संपत्ति, रोग-नाश, पुष्टि, आयु, भोग तथा मृत्यु की हानि के लिए रविवार से लेकर शनिवार तक भगवान शंकर की आराधना करनी चाहिए। सभी दिनों में शिव फलप्रद हैं। पुराणों के अनुसार सोम का अर्थ चंद्रमा होता है और चंद्रमा भगवान शंकर के शीश पर मुकुटायमान होकर अत्यन्त सुशोभित होता है। भगवान शंकर ने जैसे कुटिल, कलंकी, कामी, वक्री एवं क्षीण चंद्रमा को उसके अपराधी होते हुए भी क्षमा कर अपने शीश पर स्थान दिया वैसे ही भगवान हमें भी सिर पर नहीं तो चरणों में जगह अवश्य देंगे। यह याद दिलाने के लिए सोमवार को ही लोगों ने शिव का वार बना दिया और सोम का अर्थ सौम्य होता है। भगवान शंकर अत्यन्त शांत समाधिस्थ देवता हैं। इस सौम्य भाव को देखकर ही भक्तों ने इन्हें सोमवार का देवता मान लिया। सहजता और सरलता के कारण ही इन्हें भोलेनाथ कहा जाता है। सोम का अर्थ चंद्रमा भी होता है और चंद्रमा मन का प्रतीक है। जड़ मन को चेतनता से प्रकाशित करने वाला परमेश्वर ही है। मन की चेतनता को पकड़कर हम परमात्मा तक पहुंच सके इसलिए देवाधिदेव भूतभावन पूतपावन परमेश्वर की उपासना सोमवार को की जाती है।

# जप में माला का प्रयोग क्यों होता है

आपने देखा होगा कि बहुत से लोग ध्यान करने के लिए और भगवान का नाम जपने के लिए माला का प्रयोग करते हैं। कुछ लोग उंगलियों पर गिन कर भी ध्यान जप करते हैं। लेकिन शास्त्रों में माला पर जप करना अधिक शुद्ध और पुण्यदायी कहा गया है। इसके पीछे धार्मिक मान्याताओं के अलावा वैज्ञानिक कारण भी है। धार्मिक दृष्टि से देखें तो अंगिरा ऋषि के कथन पर ध्यान देना होगा। अंगिरा ऋषि के अनुसार असंख्या तु यज्ञसं, तत्सर्वं निष्फलं भवेत। यानी बिना माला के संख्याहीन जप का कोई फल नहीं मिलता है। इसका कारण यह है कि, जप से पहले जप की संख्या का संकल्प लेना आवश्यक होता है। संकल्प संख्या में कम ज्यादा होने पर जप निष्फल माना जाता है। इसलिए त्रुटि रहित जप के लिए माला का प्रयोग उत्तम माना गया है। जबकि वैज्ञानिक दृष्टि से यह माना जाता है कि अंगूठे और उंगली पर माला का दबाव पड़ने से एक विद्युत तरंग उत्पन्न होती है। यह धमनी के रास्ते हृदय चक्र को प्रभावित करता है जिससे मन एकाग्र और शुद्ध होता है। तनाव और चिंता से मुक्ति मिलती है। माना जाता है कि मध्यमा उंगली का हृदय से सीधा संबंध होता है। हृदय में आत्मा का वास है इसलिए मध्यमा उंगली और उंगूठे से जप किया जाता है।

# धरती पर ब्रह्माजी का निवास पुष्कर तीर्थ

**जयपुर के दक्षिण पश्चिम में स्थित अजमेर हिन्दू-मुस्लिम धर्म का संगम स्थल रहा है। अजमेर हिन्दू तीर्थ यात्रियों में उतना ही लोकप्रिय है जितना कि मुसलमानों में। अजमेर से मात्र 14 किलोमीटर की दूरी पर स्थित पुष्कर मंदिरों और झीलों के लिए प्रसिद्ध है। अरावली पर्वत श्रृंखला का नाग पर्वत अजमेर और पुष्कर को अलग करता है। यह भगवान ब्रह्मा के एकमात्र मंदिर के लिए पूरे विश्व में जाना जाता है। इसे भगवान ब्रह्मा का निवास स्थान भी कहा जाता है। मन्दिर के बगल में ही एक मनोहर झील है जिसे पुष्कर झील के नाम से जाना जाता है। पुष्कर झील हिन्दुओं एक परमपावन स्थान के रूप में जानी जाती है। कार्तिक के महीने में श्रद्धालु बड़ी संख्या में इकट्ठा होकर इस पवित्र झील में डुबकी लगाते हैं।**

## धार्मिक मान्यता

हिन्दू श्रद्धालुओं के लिए पुष्कर बहुत महत्वपूर्ण तीर्थस्थल है। ऐसा माना जाता है कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में एक बार पुष्कर की यात्रा अवश्य करनी चाहिए। पुष्कर हिन्दू धर्म के सबसे महत्वपूर्ण तीर्थो में से एक है। इसका बनारस या प्रयाग की तरह ही महत्व है । बद्रीनारायण, जगन्नाथ, रामेश्वरम, द्वारका इन चार धामों की यात्रा करने वाले किसी तीर्थयात्री की यात्रा तब तक पूर्ण नहीं होती जब तक वह पुष्कर के पवित्र जल में स्नान नहीं कर लेता।

## पौराणिक कथा

हिन्दू धर्म ग्रन्थों के अनुसार भगवान ब्रह्मा त्रिदेवों में से एक देव हैं। तीनों देवों का कार्य ,जीवन चक्र (जन्म,पालन,विनाश) के आधार पर विभाजित है। ब्रह्मा जी का कार्य जन्म देना है। ब्रह्मा जी को दाढ़ीयुक्त चार सिरों वाला ,जिसके चार हाथ हैं, के रूप में चित्रित किया गया है। ब्रह्मा जी के प्रत्येक हाथ में वेद (ज्ञान) हैं। बहमा जी का वाहन हंस है। एक बार भगवान ब्रह्मा पवित्र उद्देश्य के लिए यज्ञ करने का निश्चय किया। यह यज्ञ वह सबसे शुभ समय पर करना चाहते थे। किन्तु उनकी पत्नी सरस्वती, जिनका यज्ञ के समय रहना अत्यावश्यक था, ने उन्हें इन्तजार करने को कहा। इससे झुंझलाकर ब्रह्मा जी ने गायत्री जो कि एक ग्वालिन थी, से विवाह कर उन्हें यज्ञ में बैठा दिया। सरस्वती जी ने जब अपने स्थान पर दूसरे को देखा तो वे क्रोध से भर गयी। उन्होंने ब्रह्मा जी को श्राप दे दिया कि पृथ्वी के लोग उन्हें भुला देंगे और कभी पूजा नहीं होगी। किन्तु अन्य देवताओं की प्रार्थना पर वो पिघल गयी और कहा कि ब्रह्मा जी केवल पुष्कर में पूजे जाएंगे। इसी कारण यहाँ के अलावा और कहीं भी ब्रह्माजी का मंदिर नहीं है।

## पुष्कर का अर्थ

विद्वानों के अनुसार पुष्कर का अर्थ है ऐसा तालाब जिसका निर्माण फूल से हुआ। पद्म पुराण के अनुसार पुष्कर झील का निर्माण उस समय हुआ जब यज्ञ के स्थान को सुनिश्चित करते समय ब्रह्मा जी के हाथ से कमल का फूल पृथ्वी पर गिर पड़ा। इससे पानी की तीन बूदें पृथ्वी पर गिर गयी, जिसमें एक बूंद पुष्कर में गिर गयी। इसी बूंद से पुष्कर झील का निर्माण हुआ।

## ब्रह्मा मंदिर

चमक दमक से युक्त पुष्कर कस्बा धार्मिक मिथों और विश्वासों से भरा है। यहाँ का सबसे बड़ा आकर्षण ब्रह्माजी का मंदिर है। मंदिर का निर्माण संगमरमर पत्थर से हुआ है तथा इसे चाँदी के सिक्कों से सजाया गया है। इन चाँदी के सिक्कों पर दानदाता के नाम भी खुदे हुए हैं। इसके अलावा मंदिर के दीवालों पर भी दानदाताओं के नाम लिखे हैं। यहाँ मंदिर के फर्श पर एक रजत कछुआ है। ज्ञान की देवी सरस्वती के वाहन मोर के चित्र भी मंदिर की शोभा बढ़ाते हैं। यहां गायत्री देवी की एक छोटी प्रतिमा और किनारे ब्रह्माजी की चार मुखों वाली मूर्ति को चौमूर्ति कहा जाता है। इस पवित्र मंदिर का प्रवेश द्वार संगमरमर का और दरवाजे चांदी के बने हैं। यहां भगवान शिव को समर्पित एक छोटी गुफा भी बनी है।

## पुष्कर झील

पुष्कर झील अपनी पवित्रता और सुंदरता के लिए पूरे विश्व में जानी जाती है। ऐसा मान्यता है कि पुष्कर झील उतना ही पुराना है जितना कि सृष्टि और तीर्थयात्रा के रूप में यह अत्यंत प्राचीन काल से ही जाना जाता है। इस झील में नहाने के लिए के लिए 52 घाट बने हुए हैं जहां दिल में गहरी धार्मिक आस्था लिए श्रद्धालु डुबकी लगाते हैं। पुष्कर समय के झंझावातों में सदैव खड़ा रहा है। यह भगवान राम के समय से लेकर अब तक बदलते इतिहास का शांत गवाह है। इसका उल्लेख चौथी शताब्दी में आये चीनी यात्री फाह्यान ने भी किया है।

## पुष्कर मेला

पुष्कर मेला, ऊंट मेला के लिए जाना जाता हैं। यह भारत के सबसे बड़े मेलों में से एक है और अपनी तरह का विश्व में अकेला है। मेले के दौरान भारत के ग्रामीण क्षेत्रों से लाखों लोग अपने ऊटों और अन्य पशुओं के साथ यहाँ कई दिनों तक रहकर तीर्थयात्राओं और धार्मिक उत्सवों में अपना व्यापार करते हैं। मेले के दौरान यह छोटा कस्बा अद्भुत सांस्कृतिक छटा बिखेरने लगता है। इस समय रंग-बिरंगे कपड़े पहने श्रद्धालु, जादूगर, कलाबाज, लोक नर्तक, व्यापारी, भांड, साधु, पर्यटक यहां पहुंचते हैं। हिन्दू मान्यता के अनुसार कार्तिक महीने के अष्टमी के दिन मेला शुरू होकर पूर्णिमा के दिन तक चलता है। मेले के पहले भाग में पशुओं के व्यापार पर जोर रहता है तो दूसरे भाग में धार्मिक गतिविधियों पर जोर रहता है। इस समय श्रद्धालु पवित्र झील के जल में डूबकी लगाते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस जल में स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस मेले में ऊटों, पशुओं, महिलाओं के श्रृंगार के सभी सामान एक ही जगह पर बिकते हैं। हाथों से बने छोटे सामान यादगार के लिए खरीदना सबसे अच्छा होता है। ऊटों और घोड़ो की दौड़ को जनता खूब प्रोत्साहित करती है। ऊटों की दौड़ पशु प्रमियों में खूब लोकप्रिय है। प्रत्येक शाम को यहां अलग-अलग राजस्थानी लोक नृत्य और संगीत का आयोजन किया जाता है। जिसमें खूब भीड़ उमड़ती है। इस मेले का अपना जादू है जो यात्रायों के जीवन भर का अनुभव बन जाता है। मेले के दौरान शिल्पग्राम द्वारा कला और शिल्प की प्रदर्शनी लगायी जाती है।

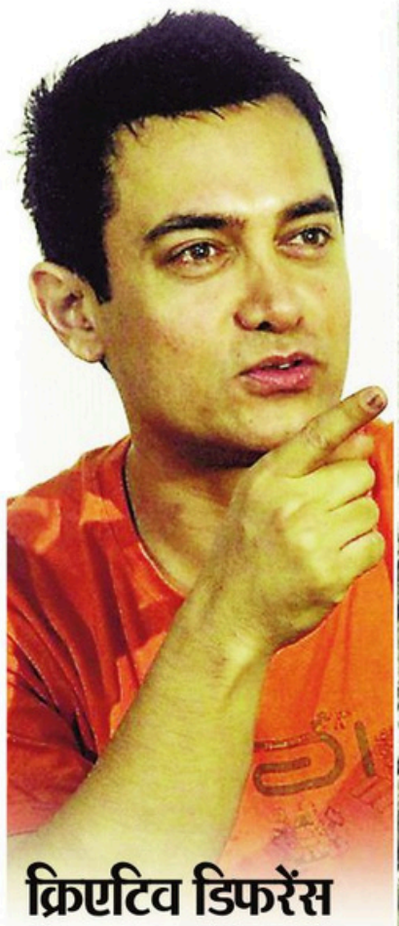

## क्रिएटिव डिफरेंस के बाद आमिर ने छोड़ी अश्नीर ग्रोवर की बायोपिक

बॉलीवुड एक्टर आमिर खान भारतपे के पूर्व को-फाउंडर और बिजनेसमैन अश्नीर ग्रोवर की बायोपिक से बाहर हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म के डायरेक्टर राहुल मोदी के साथ क्रिएटिव डिफरेंस की वजह से आमिर ने इस प्रोजेक्ट को छोड़ने का फैसला किया है। पहले खबर थी कि आमिर इस फिल्म में अश्नीर ग्रोवर का किरदार निभाने वाले थे और उनके साथ श्रद्धा कपूर मुख्य भूमिका में थीं। आमिर के फिल्म छोड़ने के बावजूद मेकर्स इस प्रोजेक्ट पर काम जारी रखेंगे। अब श्रद्धा कपूर और राहुल मोदी अश्नीर के रोल के लिए किसी युवा एक्टर की तलाश कर रहे हैं।

आमिर खान को स्टार्टअप्स की दुनिया काफी पसंद है। वे अश्नीर ग्रोवर की बायोपिक को लेकर काफी उत्सुक थे। रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने खुद फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम किया था और इसे अपने हिसाब से तैयार करने की कोशिश की। हालांकि, स्क्रिप्ट और फिल्म के डायरेक्शन को लेकर डायरेक्टर राहुल मोदी और आमिर के विचार अलग थे। लगातार बातचीत के बाद भी जब सहमति नहीं बनी, तो आमिर ने खुद को इस प्रोजेक्ट से अलग कर लिया।

### फिल्म में एक्टिंग के साथ प्रोडक्शन भी संभालेंगी श्रद्धा

इस बायोपिक में श्रद्धा कपूर अहम भूमिका में नजर आएंगी। वे फिल्म में अश्नीर ग्रोवर की पत्नी माधुरी जैन ग्रोवर का किरदार निभा सकती हैं। इसके साथ ही श्रद्धा कपूर एक बड़े स्टूडियो के साथ मिलकर इस फिल्म को प्रोड्यूस भी कर रही हैं। एक्टर और प्रोड्यूसर के तौर पर यह फिल्म श्रद्धा के करियर का बड़ा प्रोजेक्ट मानी जा रही है।

## 'इश्क़नामा' के 'नरक' को शहनाज़ गिल ने दी अपनी आवाज़

इश्क़नामा की रिलीज़ से पहले शहनाज गिल ने फैंस को एक खूबसूरत सरप्राइज दिया है। फिल्म के सबसे पसंद किए जा रहे गानों में से एक 'नरक' को शहनाज ने अपनी आवाज और अपने अंदाज में पेश किया है। ओरिजिनल गाने को बी प्राक और ज्योतिका टांगरी ने अपनी आवाज दी है, वहीं अब शहनाज का स्पेशल कवर वर्जन इस गाने में इमोशन्स की एक नई परत जोड़ता है। जानी के लिखे और कंपोज किए गए 'नरक' ने पहले ही सुनने वालों के दिलों को छू लिया है। यह गाना फिल्म के मुख्य किरदार नसीमा और निम्मा के बीच के दर्द, तड़प और अनकहे प्यार को बयां करता है। पर्दे पर इन किरदारों को शहनाज गिल और जय रंधावा ने निभाया है। फिल्म में नसीमा का किरदार निभाने वाली शहनाज इस कवर के जरिए गाने को एक अलग नजरिए से सामने लाती हैं। ओरिजिनल को दोहराने के बजाय उन्होंने इसे बेहद सॉफ्ट और दिल के करीब अंदाज में गाया है, जिसमें नसीमा के जज्बात साफ महसूस होते हैं।

अपने कवर वर्जन को लेकर शहनाज गिल ने कहा, ''नरक' 'इश्क़नामा' के मेरे सबसे पसंदीदा गानों में से एक है, इसलिए इसका अपना वर्जन रिकॉर्ड करना मेरे लिए बेहद खास रहा। मैंने फिल्म में नसीमा का किरदार निभाया है, इसलिए इस गाने से मेरा पहले से ही एक इमोशनल कनेक्शन था। मैं ओरिजिनल को दोबारा बनाने की कोशिश नहीं कर रही थी, क्योंकि बी प्राक और ज्योतिका ने इसे पहले ही इतनी खूबसूरती और रूह के साथ गाया है। मैं बस इसे अपने अंदाज में गाना चाहती थी और उम्मीद करती हूं कि लोग मेरे इस वर्जन से भी जुड़ेंगे।'

शहनाज पिछले कई सालों में पंजाबी और हिंदी गानों के जरिए अपनी सिंगिंग का हुनर दिखा चुकी हैं। अब 'नरक' के इस कवर के साथ उन्होंने इश्क़नामा से अपने जुड़ाव को और भी पर्सनल बना दिया है। फिल्म की रिलीज से पहले यह कवर दर्शकों को इसकी इमोशनल दुनिया को एक नए अंदाज में महसूस करने का मौका देता है।

निम्मा और नसीमा की असाधारण सच्ची कहानी से प्रेरित इश्क़नामा की कहानी 1981 से 1988 के बीच भारत-पाकिस्तान सीमा की पृष्ठभूमि पर आधारित है। शहनाज गिल, जय रंधावा और सौरभ सचदेवा स्टारर इस फिल्म का निर्देशन अरविंदर एस. खैरा ने किया है। 'नरक' के अपने कवर वर्जन के साथ शहनाज गिल ने फैंस को इश्क़नामा की इमोशनल दुनिया की एक और खूबसूरत झलक दे दी है, जिसने फिल्म की रिलीज को लेकर एक्साइटमेंट और बढ़ा दी है।

## अभिनय की दुनिया जितनी ग्लैमरस दिखती है, उतनी ही चुनौतीपूर्ण भी है

अभिनेत्री महिमा मकवाना ने अपने करियर में कई तरह के किरदार निभाए हैं और अब वह अपनी आने वाली वेब सीरीज 'मुसाफिर कैफे' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच, उन्होंने इंटरव्यू में कहा कि अभिनय की दुनिया जितनी ग्लैमरस दिखाई देती है, उतनी ही चुनौतीपूर्ण भी होती है। उन्होंने कहा कि इस इंडस्ट्री में काम के घंटे तय नहीं होते और कई बार कलाकारों को लगातार व्यस्त रहना पड़ता है। ऐसे में मानसिक रूप से खुद को मजबूत बनाए रखने के लिए एक रूटीन होना बेहद जरूरी है। खास बातचीत में महिमा ने कहा, 'मुझे लगता है कि एक खास तरह का रूटीन हमेशा जरूरी होता है, ताकि हमारा मानसिक स्वास्थ्य भी सही रहे. अभिनय ऐसा पेशा है, जिसमें कलाकार को हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करनी पड़ती है। इसमें आपको हर समय शांत मानसिकता में रहना पड़ता है, इसलिए किसी भी तरह की एक तय व्यवस्था बहुत जरूरी है और अब इसे लेकर जागरूकता भी बढ़ रही है।'

महिमा ने कहा, ''मनोरंजन जगत में सबसे बड़ी मुश्किल यह है कि यहां काम के दिन और छुट्टियों का कोई निश्चित नियम नहीं होता। इस क्षेत्र में कलाकारों को कई बार लंबे समय तक काम करना पड़ता है और शूटिंग शेड्यूल लगातार बदलते रहते हैं। ऐसे में अपने निजी जीवन और काम के बीच संतुलन बनाना एक बड़ी चुनौती होती है, जिससे काम भी प्रभावित न हो और आपकी मानसिक सेहत भी ठीक रहे।'' काम के घंटों और इंडस्ट्री में बदलाव को लेकर महिमा ने कहा, ''अब इस विषय पर पहले से ज्यादा बातचीत हो रही है। हर कलाकार की स्थिति अलग होती है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप अपने करियर में कहां हैं। आप अपनी बात किस तरह रख सकते हैं और फिल्म निर्माताओं के साथ किस तरह तालमेल बना सकते हैं। हर किसी के लिए स्थिति अलग होती है।'' उन्होंने कहा, ''किसी भी फैसले में सिर्फ अपनी सुविधा को नहीं देखना चाहिए, बल्कि पूरी टीम के नजरिए को भी समझना जरूरी है। किसी फिल्म या शो में कई लोगों की मेहनत और पैसा जुड़ा होता है, इसलिए ऐसा रास्ता निकालना चाहिए जो सभी के लिए सही हो।'' वर्क फ्रंट की बात करें तो महिमा मकवाना जल्द ही 'मुसाफिर कैफे' में नजर आएंगी। इस प्रोजेक्ट में उनके साथ अभिनेता विक्रांत मैसी और वेदिका पिंटो भी मुख्य भूमिका में हैं।

## कॉमेडी-थ्रिलर 'एमआरपी' से किया डोनल बिष्ट ने तेलुगु सिनेमा में डेब्यू

टीवी अभिनेत्री डोनल बिष्ट कॉमेडी-थ्रिलर फिल्म 'एमआरपी' से तेलुगु सिनेमा में डेब्यू किया है। तेलुगु सिनेमा में अपना अनुभव शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि खुद को पहली बार बड़े पर्दे पर देखना उनके लिए एक यादगार पल में से एक था। हैदराबाद में एमआरपी के प्री-रिलीज इवेंट के दौरान अभिनेत्री ने खुद को बड़े पर्दे पर देखने के इमोशनल पल को याद करते हुए कहा, 'एक अलग माध्यम और भाषा में काम करना मेरे लिए बेहद शानदार था। तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री अपनी शानदार कहानियों और फिल्म निर्माताओं की वजह से दुनियाभर में अलग पहचान रखता है और ऐसी जगह से इतना प्यार मिलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है।' डोनल बिष्ट ने कहा कि हिंदीभाषी दर्शक भी तेलुगु फिल्मों को उतना ही प्यार देते हैं। मैं बहुत खुश हूं कि साउथ फिल्म इंडस्ट्री ने मुझे खुले दिल से स्वीकार किया।

## तुषार कपूर ने प्रकाश झा की 'जनादेश' को बताया समाज का आईना

तुषार कपूर अपनी आने वाली नई फिल्म 'जनादेश' को लेकर काफी उत्साहित हैं। इस फिल्म की खास बात यह है कि तुषार पहली बार मशहूर निर्देशक प्रकाश झा के साथ काम कर रहे हैं। तुषार के करियर की यह पहली पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म है। हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में अपने 25 साल पूरे होने पर तुषार कपूर ने अपनी नई फिल्म 'जनादेश' के बारे में खुलकर बात की। तुषार ने कहा, 'फिल्म 'जनादेश' देश के राजनीतिक माहौल पर बनी एक गंभीर और गहरा असर छोड़ने वाली कहानी है।' तुषार ने आगे कहा, 'हालांकि, यह फिल्म आज के समाज का आईना है। प्रकाश झा जैसे बेहतरीन डायरेक्टर के साथ काम करना और ऐसा दिलचस्प किरदार निभाना मेरे लिए बिल्कुल नया और अनोखा अनुभव है।' फिल्म 'जनादेश' के निर्देशक प्रकाश झा हैं, जो इससे पहले 'राजनीति', 'आरक्षण', 'सत्याग्रह' जैसी बेहतरीन फिल्में और 'आश्रम' जैसी सुपरहिट वेब सीरीज बना चुके हैं। 'जनादेश' में तुषार कपूर के साथ इस फिल्म में शेखर सुमन, राहुल बोस, प्रगति श्रीवास्तव और इश्वक सिंह जैसे मंझे हुए कलाकार दिखाई देंगे।

### 'गोलमाल 5' में भी दिखेंगे तुषार

'जनादेश' के अलावा तुषार कपूर जल्द ही रोहित शेट्टी की सुपरहिट कॉमेडी फ्रेंचाइजी की अगली फिल्म 'गोलमाल 5' में भी नजर आएंगे। इस फिल्म की शूटिंग इसी साल मार्च में शुरू हो चुकी है। फिल्म में अजय देवगन, अक्षय कुमार, अरशद वारसी, श्रेयस, कुणाल खेमू और शरमन जोशी जैसे कई बड़े सितारे एक साथ नजर आने वाले हैं।

## ऑडियंस के सामने कॉन्टेंट की कमी नहीं है

**अन्नू कपूर उन कलाकारों में से हैं, जिन्हें दर्शक लंबे समय से स्क्रीन पर देख रहे हैं। फिर चाहे वह रिएलिटी शो 'अंताक्षरी' में होस्ट रहे हों या 'विकी डोनर' और 'ड्रीम गर्ल' में उनके बेहतरीन कॉमेडी रोल, वह हर अंदाज में जंचते हैं। फिल्मी दुनिया में साढ़े चार दशक लंबा समय बिता चुके अन्नू कपूर कहते हैं कि मुझे इस दुनिया में जो मिला वह काफी है। मैं कहूंगा कि मेरे भाग्य में जितना था, उतना ही मिला। साल 2012 में आई 'विकी डोनर' में अपने अभिनय के लिए नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले अन्नू मानते हैं कि बॉक्स ऑफिस पर कमाई सीरियस फिल्में ज्यादा करती हैं।**

जब उनसे पूछा गया कि क्या हमेशा से कॉमेडी फिल्में दर्शकों की पसंदीदा रही हैं? तो उन्होंने कहा, 'नहीं, ऐसी बात नहीं है। आप ताज्जुब करेंगे कि जिन फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड कमाई की है और जो कॉन्टेंट आधारित फिल्में रही हैं, उनमें से 80 फीसदी फिल्में ट्रैजिडी और सीरियस जॉनर की रही हैं। अगर आप ऑस्कर का इतिहास देखेंगे, तो सवा सौ सालों में सिर्फ दो कॉमेडी फिल्म को बेस्ट फिल्म का अवॉर्ड मिला है। अगर ऐसा होता तो जिन डायरेक्टर्स ने सिर्फ कॉमेडी फिल्में बनाई हैं, उनका नाम भारत के बेस्ट डायरेक्टर्स में आता, लेकिन उनका नाम टॉप 50 में भी नहीं है।'

करीब पांच दशक पहले नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में पढ़ाई के दौरान अन्नू ने दिल्ली में भी काफी वक्त गुजारा। जब उनसे कुछ यादें साझा करने को कहा गया, तो उन्होंने वह मजेदार किस्सा साझा किया, जब वह एक बार में 23 रोटियां खा गए थे। बकौल अन्नू, 'अभी जब मैं इंटरव्यू के लिए आ रहा था, तो रास्ते में रेफ्यूजी मार्केट से गुजरा। तब मुझे वो जवानी के दिन याद आ गए, जब मेरे सामने खाने के लाले होते थे। मुझे आज भी याद है वह मई-जून की चिलचिलाती गर्मी का दिन इसी रेफ्यूजी मार्केट में, जब दो-तीन दिन से पेट में कुछ ठीक से गया नहीं था। उस दौरान कहीं से काम के बदले 75 रुपए का चेक मिला। इतना भूखा था मैं कि मैं उस दिन 23 रोटियां खा गया था। उस दिन 23 रोटियां, दो टिक्की मक्खन की और एक रुपए का नत्थू स्वीट्स से छोले का कुल्हड़ और दाल फ्राई खा के मैं मस्त हाथी की तरह चलता हुआ पैदल अपने हॉस्टल पहुंचा, क्योंकि अब ऑटो का किराया नहीं बचा था। हॉस्टल जाकर मैं नहाया और सो गया। उस दिन मुझे जो नींद आई, तो फिर मैं सीधा रात को साढ़े नौ बजे उठा।'

अन्नू जल्द अपनी नई फिल्म 'उत्तर दा पुत्तर' में नजर आने वाले हैं, जिसमें उनका किरदार हमेशा भविष्य में होने वाली चीजों की चिंता करता है। जब उनसे पूछा गया कि इस फिल्म को उन्होंने क्या सोचकर हां किया, तो उन्होंने जवाब दिया, 'इसका टॉपिक वाकई अच्छा है और अच्छे कॉन्टेंट के लिए मुझे नहीं लगता कि हमारी फिल्म इंडस्ट्री का कोई कोई भी एक्टर ना कहेगा, क्योंकि उनको भी पता चल गया है कि हमारी ऑडियंस के पास इतनी चॉइस आ चुकी हैं कि आप अच्छा कॉन्टेंट देंगे तभी वो आपके पास आएंगी। अब गली-गली के मोड़ पर इतने कॉन्टेंट क्रिएटर्स हो गए हैं। तो यह कॉम्पटीशन पूरे समाज के लिए बहुत अच्छा है। एक इसका पहलू यह भी है कि अब लोग अच्छा कॉन्टेंट लेकर आएंगे।'

### मैंने गुरु नानक जी से सीखा है

जब हमने अन्नू से पूछा कि क्या कभी उन्हें भविष्य की चिंता नहीं हुई, तो उन्होंने बताया, ' मुझे भय जैसा कुछ नहीं हुआ, क्योंकि मैंने सद्गुरु श्री नानक देव जी से एक सीख ली है। मैं आपको एक कहानी सुनाता हूं। जब बाबा नानक 12 साल के थे तो घर से गायब हो गए थे। पूरे गांव में हल्ला मच गया कि बालक नानक कहां चले गए। जब उनके लिए तलाश शुरू हुई, तो वह एक श्मशान में मिले। जब गांव वालों ने पूछा कि आप मरघट यानी मरने के घर में क्यों बैठे हैं? तो उन्होंने कहा कि यह कोई मरने का घर नहीं हो सकता, क्योंकि यहां आकर कोई मरता नहीं है। यहां तो लोग मरकर आते हैं। और जिस घर को, जिस जगह को तुम घर की निशानी बोल रहे हो, वहां पर लोग मरते हैं। मरघट तो असलियत में वह है। यहां तो लोग चार लोगों के कंधे का सहारा लेकर आते हैं। तो मुझे ऐसा लगा कि मैं चार लोगो का सहारा लेकर क्यों आऊं। इतना कमजोर क्यों बनूं? तो मैं पहले यहां आकर बैठ गया। इससे पता चलता है कि उन्होंने मृत्यु को वैसे ही स्वीकार किया जैसे जीवन को। इसलिए मुझे भी कोई डर की बात नहीं है।'